पुलिस ने कारपेंटर बनकर 40 हजार के इनामी तस्कर को गुजरात से पकड़ा

पुलिस को आरोपी को पकड़ने के लिए एक हजार किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा

- गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अलग-अलग जगह पर रहकर मारवाड़ में नशे का कारोबार चलाता था तस्कर
- आरोपी बीते छह साल से फरार चल रहा था जो कुख्यात भगौड़ा आरोपियों में शामिल है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज की साइक्लोनर टीम ने 40 हजार के इनामी अपराधी को पकड़ा है। पुलिस को उसे पकड़ने के लिए एक हजार किलोमीटर का सफर तय करने के साथ कारपेंटर भी बनना पड़ा। आरोपी को गुजरात राज्य से पकड़ा जा सका। आरोपी टॉप 25 में शामिल था।

जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी मुंबई की लोकल ट्रेन में चढ़कर पैसेंजर से मोबाइल लेकर अपने लोगों से संपर्क करता था। फिर इसके बाद फिर वहां से अपने ठिकाने पर पहुंच जाता था। गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अलग-अलग जगह पर रहकर मारवाड़ में नशे का कारोबार चलता था। पुलिस को तस्कर के कई सारे सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार के अनुसार साइक्लोनर टीम ने राजस्थान के टॉप-25 में आरोपियों में शामिल आरोपी प्रकाश चाहर को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी बीते छह साल से फरार चल रहा था। कुख्यात भगौड़ा आरोपियों में शामिल है। अभी तक की जानकारी के अनुसार आरोपी जालोर, सिरोही, जोधपुर कमिश्नरेट और बाड़मेर चार मुकदमों में वांटेड है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइक्लोनर टीम ने तीन माह तक लगातार पीछा करने पर गुजरात के नवसारी से गिरफ्तार किया है। हमारी टीमें जो मुख्य सरगना और मादक पदार्थ के सप्लायर पर फोकस कर रखा है। करीब-करीब 40 किंगपिन पकड़े गए है। जिसमें यह बहुत बड़ा कैच है। आरोपी प्रकाश चाहर 11-12 सालों से मादक पदार्थ का कारोबार कर रहा है। आरोपी ने उदयपुर में किसी रिश्तेदारों के साथ लकड़ी के व्यापार से अपना कारोबार शुरू किया। वहां से फिर मार्बल का काम शुरू किया। काम की थकान मिटाने के लिए अफीम व डोडा चूरा-लेना शुरू किया। फिर उससे अमीर बनने का सपना देखा। लंबे समय मादक पदार्थ नेटवर्क जो चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा से चलता है। धीरे-धीरे उसका सरगना बन बैठा।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि इस ऑपरेशन का नाम "ऑपरेशन तमस" रखा गया। क्योंकि नशे के जहर के माध्यम से लोगों के जीवन में अंधेरा फैला रहा था। विडंबना थी कि उसका खुद का नाम प्रकाश था। खुद का नाम प्रकाश और समाज के जीवन में अंधेरा फैलाने का काम इसलिए इसका नाम ऑपरेशन तमस रखा गया था। आरोपी प्रकाश ने निम्बाहेड़ा के छोटे से कस्बे में रहना शुरू किया। वहीं से डोडा-पोस्त व अफीम इकट्ठा करता था। अपने गुर्गों के माध्यम से मारवाड़ में सप्लाई करता था। इसका खेल काफी लंबे समय तक चलता रहा। टीम इसको पकड़ने के लिए निम्बाहेड़ा इसके ठिकाने पर पहुंची। वहां से यह छत से कूदकर बाइक पर भागने पर सफल हो गया। यह करीब दो माह पहले की बात है। इसके बाद इसने अपना ठिकाना मुंबई में जमाया।

आरोपी प्रकाश चाहर के साले को पकड़कर उससे पूछताछ की गई तो पता कि प्रकाश मुंबई में रह रहा है। वहीं से यह बीच-बीच में फोन करता रहा। यह शातिर तरीके से काम करता था। वहां पर लोकल ट्रेन में चढ़ता था। वहां पर पैसेंजर से फोन लेकर के अपने गुर्गों को फोन करता था। फिर वापस ट्रेन से उतर जाता था। इस वजह से उसका ठिकाना ढूंढने में मुश्किलें आई। टीम ने लगातार निगरानी रखकर देखा कि कब ट्रेन से चढ़ता है और कब आखिरी कॉल करता है। तब यह पेटर्न पुलिस के पास आया। तब हमें जानकारी मिली कि मुंबई के भांयदर इलाके में रहता है।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि टीम मुंबई के भायंदर इलाके में करीब 15 दिन तक रही। लेकिन्न उसका कोई ठिकाना नहीं होने के कारण तलाश की। जब हमने वहां पर लकड़ी के काम करने वाले लोगों से संपर्क किया। तब वहां पर काम करने वाले लोगों ने बताया कि बड़े रईश की तरह रहता है। बड़े-बड़े शौक रखता है और लकड़ी का कारीगर है। उस ठिकाने पर जब हम पहुंचे तो वहां से दो दिन पहले वह निकल चुका था। तकनीकी के आधार पर उसका लोकेशन गुजरात के नवसारी में होना सामने आया। सूरत से आगे नवसारी जिले में होने की जानकारी मिली। टीम वहां पर 5 दिन तक रुकी। वहां पर हमारी टीम लकड़ी का कारीगर बनकर नौकरी खोजते रहे। नवसारी की बिल्ली मोरा इलाके में एक दुकान पर लकड़ी का काम खोजते हुए पहुंच तो वहां पर एक कारीगर के माध्यम से आरोपी तक पहुंचे। आरोपी ने मादक पदार्थ का कारोबार मारवाड़ में फैलाया हुआ था। वहां पर दिन के समय लकड़ी का काम करता था। रात में नशे का कारोबार करता था। आरोपी पर अवैध हथियार, एनडीपीएस सहित सात मुकदमें अलग-अलग जगहों पर है। सदर थाने में इलाके में भी दो मामले दर्ज है। इसमें आलू की आड़ में डोडा-पोस्त की सप्लायर के रूप में इसका नाम है।

साइबर फ्रॉड की अंतर्राज्यीय गैंग के छह आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2.40 लाख की नगदी बरामद की

- बैंक के खाते में चार लाख 97 हजार रुपए होल्ड करवाए
- पुलिस मामले में गहराई से अनुसंधान कर रही है, आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना जताई

बौंली-बामनवास, (निसं)। पुलिस ने साइबर फ्रॉड की अंतरराज्यीय गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगद राशि बरामद की है। आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश एवं सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजकुमार कस्वा के सुपरविजन में चलाए जा रहे एंटीवायरस अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक राजेंद्र सिंह रावत थाना साइबर क्राइम के नेतृत्व में गठित टीम ने साइबर क्राइम पर कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड के अंतर्राज्यीय गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस मामले को लेकर एसबीआई शाखा कलेक्ट्रेट सवाई माधोपुर के प्रबंधक सीताराम मीणा ने 17 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि कृपा फोर व्हीलर प्राइवेट लिमिटेड के पार्टनर जगदीश के नाम से अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया और बैंक के खाते की चेकबुक खत्म होने का बहाना बनाकर अर्जेंट भुगतान करने और एक करोड़ रुपए की पॉलिसी कराने का लालच व्हाट्सएप पर फर्जी पत्र भेजकर 14 लाख 57हजार रुपए चांद इंटरप्राइजेज मुरादाबाद के खाते में भुगतान कर लिया। इस पर थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं सहित आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाने के सहायक उप निरीक्षक फैयाज खान के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई जिसमें कांस्टेबल दिनेश व नफीस को शामिल कर आरोपियों की तलाश में दिल्ली, मुरादाबाद व गाजियाबाद भेजकर साइबर सेल की विशेष तकनीकी सहायता से आरोपी सलीम निवासी असगीरपुरा जाया थाना डिंडोली जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश खाता धारक, राजेश कुमार सैनी निवासी शाहपुर थाना डिटौली जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश खाता उपलब्ध कराने वाला, विक्की जाटव निवासी सलेमपुर थाना अमरोहा उत्तर प्रदेश बैंक से पैसे निकलने में सहायक व खाता खुलवाने वाला, प्रदीप कुमार जाट निवासी सुल्तानपुर फलेदा पोस्ट फतेहपुर बिश्नोई थाना पाक़बडा जिला मुरादाबाद, शुभम नारायण त्यागी निवासी बरनावा बागपत पुलिस थाना बिनोली बागपत उत्तर प्रदेश मास्टरमाइंड एवं आनंद उर्फ अभिषेक गुर्जर निवासी बीटा थाना इचोली जिला मेरठ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर 2 लाख 40 हजार रुपए बरामद किए गए हैं एवं यस बैंक के खाते में चार लाख 97 हजार रुपए होल्ड करवाए गए हैं।

आरोपियों द्वारा विभिन्न प्रकारों से गरीबों व अन्य लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाकर खुद का प्रतिशत लेकर अपने सरगना को पैसे उपलब्ध कराते थे। पुलिस मामले में गहराई से अनुसंधान कर रही है। आरोपियों से अनेकों ठगी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

बदमाशों ने डंपर चालक से मारपीट की

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के गोठड़ा के पास देर रात को गाड़ी में सवार होकर आए बदमाशों ने डंपर ड्राइवर के साथ मारपीट की। इस दौरान बदमाशों द्वारा पिस्टल दिखाकर सड़क से हटाने का प्रयास भी किया। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में पहुंचकर घटना की जानकारी दी, लेकिन बदमाश पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए।

पीड़ित डंपर ड्राइवर चिरानी निवासी मुकेश कुमार पुत्र कैलाश चंद ने बताया कि वह रात करीब दस बजे खेतड़ी के खनन क्षेत्र से डंपर को भरकर सिंघाना की ओर जा रहा था। जब गोठड़ा के पास बनी पोल फैक्ट्री के पास पंहुचा तो सामने से आई हरियाणा नंबर की गाड़ी में पांच जने सवार होकर आए। इस दौरान उन्होंने डंपर के आगे गाड़ी लगा दी। जब डंपर ड्राइवर ने गाड़ी हटाने के लिए कहा तो गाड़ी में सवार दो जने उतरकर उसके पास आए और आते ही ड्राइवर के साथ मारपीट करने लगे। जब उन्होंने विरोध किया तो वह लोग वापस गाड़ी में गए और पिस्तौल निकालकर उन्हें डराया गया। पीड़ित डंपर ड्राइवर ने बताया कि नानूवाली बावड़ी से गोठड़ा तक सड़क का निर्माण कार्य कर रहा है, जिसके चलते एक ही साइड से वाहनों को निकाला जा रहा है। सड़क का निर्माण कार्य चलने के कारण सामने से वाहन आने पर उन्हें निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसके चलते सामने से आई हरियाणा नंबर की गाड़ी को जगह नहीं मिल पाने पर बदमाशों ने डंपर ड्राइवर व खलासी के साथ मारपीट कर पिस्टल दिखाकर गाड़ी हटाने का प्रयास किया। घटना के कुछ देर बाद डंपर ड्राइवर व खलासी खेतड़ीनगर थाने में पहुंचे तथा पुलिस को उनके साथ हुई घटना के बारे में अवगत करवाया। घटना की सूचना पर एचसी महिपाल सिंह मय पुलिस जाब्ते के मौके पर पहुंचे, लेकिन बदमाश मौके से फरार हो गए थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने हाथी के दांतों का उदाहरण देकर कांग्रेस पर निशाना साधा

- ग्रंथ लिखे जा सकते हैं, कैसे कांग्रेस ने लोकतंत्र के स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की : केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत
- 'महाकुंभ विश्व के लिए अनूठा उत्सव है, जहां स्वतः स्फूर्त भाव से देश-दुनिया से करोड़ों लोग श्रद्धा और उत्सुकता को लेकर आ रहे हैं'

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि 1954 का कुंभ एकमात्र उदाहरण नहीं है, वहां से लेकर इमरजेंसी और 2014 तक, ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि किस तरह से कांग्रेस ने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की। केंद्रीय मंत्री शनिवार सुबह दिल्ली से जोधपुर पहुंचे।

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि गांधी परिवार की राजनीति और कांग्रेस पार्टी का वर्तमान नेतृत्व देश-दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। उनका चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि हिंदी में एक कहावत है, "हाथी के दांत दिखाने के कुछ और, खाने के कुछ और होते हैं", मुझे लगता है कि उनका चाल, चरित्र और चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। महाकुंभ के प्रबंधन पर शेखावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से प्रबंधन किया है, वो निश्चित रूप से अनूठा है, क्योंकि इससे पहले स्मरण कीजिए, कुंभ जब कभी भी देश में होते थे। 2013 के कुंभ में किस तरह से भगदड़ मची, उस समय सरकार ने किस तरह असंवेदनशीलता के साथ व्यवहार किया था। शेखावत ने कहा कि 1954 में जब देश की आजादी के बाद में पहला कुंभ हुआ था, उस समय कुंभ की व्यवस्थाओं को देखिए, सरकार किस तरह से इन विषयों को लेकर उदासीन थी। नेहरू के कुंभ में जाने के कारण से, ऐसी लिखित रूप से लोगों ने स्टोरी की हैं, 1000 से ज्यादा लोग भगदड़ मचने के कारण दिवंगत हुए थे। शेखावत ने कहा कि अब विरासत का संरक्षण और विरासत का सम्मान करने वाली सरकार है। इस बार महाकुंभ की व्यवस्थाएं पहले से बहुत बेहतर हैं।

1954 में मीडिया की आजादी के सवाल पर शेखावत ने कहा कि 1954 केवल एकमात्र उदाहरण नहीं है, वहां से लेकर इमरजेंसी और 2014 तक पूरे ग्रंथ लिखे जा सकते हैं कि किस तरह से उन्होंने लोकतंत्र और लोकतंत्र के सारे स्तंभों का गला घोंटने की कोशिश की।

इंडी गठबंधन के कुंभ को लेकर कुछ न बोलने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि वो अवसरवादियों का संगठन है। लोकसभा चुनाव से पहले ऐसे सारे लोग, जो जेल यात्रा करके आए थे, वो एकसाथ एकत्रित हुए थे। मुझे नहीं लगता कि ऐसा आचरण और व्यवहार करने वाले लोगों, जिन्होंने पहले कुंभ को उदासीनता और संवेदनशीलता के साथ में देखा है, वो कुंभ की महत्ता और आस्था को समझते होंगे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि महाकुंभ विश्व के लिए अनूठा उत्सव है। जहां स्वत:स्फूर्त भाव से देश-दुनिया से करोड़ों लोग श्रद्धा और उत्सुकता को लेकर आ रहे हैं। कौतूहलवश दुनियाभर से लोग यह जानने के लिए आ रहे हैं कि इतना बड़ा आयोजन, कैसे किसी देश में एक स्थान पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन में सरकार का जिस तरह से प्रबंधन है, वो केस स्टडी है। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के स्नान पर फांच करोड़ लोगों ने महाकुंभ में स्नान किया। आने वाली मौनी अमावस्या के दिन यह संख्या और भी बढ़ेगी।

नीमकाथाना जिला हटाये जाने के विरोध में 19वें दिन भी धरना जारी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना जिला बनाने की मांग को लेकर 19वें दिन भी हड़ताल जारी रही, जिसमें भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को विधायक सुरेश मोदी ने माला पहनाकर बोदूराम यादव छाजा की नांगल, विकास मीणा न्यौराणा, बलवीर मीणा न्यौराणा, रवि खटाणा न्यौराणा को धरने पर बैठाया।

19वें दिन भी धरने पर बैठे लोगों में जोश देखा गया और उनकी एकजुटता में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन धीरे-धीरे इस आंदोलन से जुड़ रहे हैं, जिससे इसका प्रभाव और भी व्यापक हो रहा है। यह समर्थन आंदोलन को मजबूती प्रदान कर रहा है और आगे भी इससे जुड़े लोग इस संघर्ष को निरंतर जारी रखने का संकल्प ले रहे हैं। कई प्रमुख नेता भी इस आंदोलन के समर्थन में सामने आए हैं, जिससे आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल रही है।

विधायक सुरेश मोदी ने माला पहनाकर बोदूराम यादव छाजा की नांगल, विकास मीणा न्यौराणा, बलवीर मीणा न्यौराणा, रवि खटाणा न्यौराणा को धरने पर बैठाया।

महेश मेगोतिया उपाध्यक्ष नगरपरिषद, सत्यनारायण बल्लुपुरा, मोहम्मद सदीक, रामसिंह राजनगर, बलवीर खैरवा, शंकर गैसका भूदोली, बसंत यादव नाथा की नांगल, मदनलाल सैनी, गोपाल सैनी, रफीक कुरैशी, नरेश बढ़ाणा, महावीर स्वामी कितपूरा, रामजीलाल सैनी, रामनारायण सैनी हेमराजपुरा, रामलाल मीणा, फूलचंद यादव, राजेन्द्र आर्य, इदु खान, धर्मपाल सैनी, सूरजमल सैनी, सदीक कुरेशी, रामसिंह डांगी, धर्मवीर आगवाड़ी, विकास बिजारणियां, प्रेम यादव, रोशन लाका ने अपना समर्थन संघर्ष समिति को दिया।

किसान की मौत

उदयपुर, (निसं)। खेत पर काम करते समय किसान की हार्टअटेक से मौत हो गई। सुखेर थाना क्षेत्र प्रतापपुरा अम्बेरी निवासी दिपलाल (39) पुत्र देवाजी गमेती की खेत पर काम करते समय हृदयाघात से मौत हो गई। शुक्रवार सांय दिपलाल खेत पर काम करने गया था। जहां सीने में दर्द होने से तबीयत खराब होने पर परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई हरिशचन्द्र सनाढ्य ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हथियार से हमला कर युवक की हत्या

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में शुक्रवार रात्रि को दो गुटों के बीच हुए झगड़े में एक पक्ष के एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या कर दी गई। वहीं हमले में एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने एतिहात के तौर पर एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात किया।

पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा ने बताया कि कुन्हाड़ी इलाके के भैरू गली में शुक्रवार रात्रि को चंबल कॉलोनी निवासी लोकेश राठौर (23) एवं उसके मित्र साजिदेहड़ा निवासी फैजल दोनों बाइक से जा रहे थे। उसी समय पीछे से असलम व अन्य ने धारदार हथियार से लड़की के मामले में पुरानी रंजिश को लेकर लोकेश पर हमला कर दिया।

बीच-बचाव में उसके साथी फैजल भी हमले में घायल हुआ। दोनों घायलों को उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां लोकेश की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं हमले में घायल फैजल का उपचार अस्पताल में जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतक लोकेश कुन्हाड़ी थाने का हिस्ट्रीशीटर था। पुलिस उप अधीक्षक ने बताया कि असलम व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज हमलावरों की तलाश के लिये टीमें गठित कर रवाना कर दी गई है।

मवेशी ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के खरखड़ा के पास देर शाम को एक बाइक को मवेशी ने टक्कर मार दी। इस दौरान हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। मृतक का उप जिला अस्पताल में शनिवार को पोस्टमार्टम करवाया गया।

- हादसे में एक युवक घायल हो गया, अस्पताल में भर्ती कराया

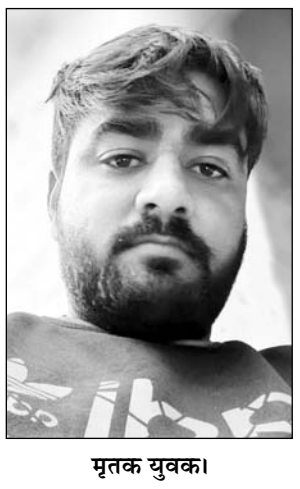

मृतक युवक।

जानकारी अनुसार गोठड़ा निवासी मनीष कुमार (32) पुत्र अमीलाल गुवारिया बडाऊ गांव में मनिहारी के सामान की दुकान कर रखी है। वह सुबह अपने भाई के साथ दुकान पर गया था तथा शाम करीब सात बजे अपने भाई अभिषेक के साथ दुकान बंद कर वापस अपने घर लौट रहा था। जब दोनों भाई खरखड़ा के पास पंहुचे तो बाइक के सामने अचानक मवेशी (सांड) आ गया। इस दौरान मवेशी ने बाइक सवार मनीष कुमार टक्कर मार दी, जिससे वह घायल होकर सड़क पर ही गिर गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। इस दौरान डाक्टरों ने मनीष को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल अभिषेक का उपचार किया गया। घायल अभिषेक ने बताया कि वह और उसका भाई मनिहारी की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मृतक मनीष कुमार के एक बेटी ईशु (9) व बेटा कार्तिक (7) साल का है। घटना की सूचना पर परिजन भी अस्पताल में पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि की खरखड़ा सड़क पर पहले भी पशुओं से कई हादसे हो चुके हैं। प्रशासन की ओर से पशुओं को गौशाला में भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

124 किलो डोडा-चूरा सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। वल्लभनगर थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान मकान पर दबीश देकर 124 किलो अवैध डोडा-चूरा एवं तीन बाइक जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिह जैन के सुपरविजन में वल्लभनगर थाना अधिकारी दिनेश पाटीदार के नेतृत्व में गठित दल ने गश्त के दौरान बड़गांव में संदिग्ध दो कारों का पिछा किया, लेकिन अंधेरे में वह पकड़ में नहीं आयी। इस पर कार जिस मकान से निकली उसके मालिक गोवर्धन पुत्र रामलाल निवासी बड़गांव वल्लभनगर की तलाशी ली।

इस पर उसके मकान में कमरे में रखे 7 प्लास्टिक के कट्टों को खोल कर देखा तो उसमें 124 किलो डोडा-चूरा पाया गया। इस दौरान तस्करी करने में उपयोग की जाने वाली मौके पर रखी तीन बाइक भी जब्त की। पूछताछ में गोवर्धन ने उक्त डोडा चूरा उसके सिजारी कालुलाल निवासी बड़गांव, विपिन एवं उसका दोस्त विरदाराम निवासी बाडमेर द्वारा मिलकर इकठ्ठा करना बताया, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन परिंदों की अठखेलियां निहारने पहुंचे पक्षी प्रेमी

कानोड़, (निसं)। संभाग स्तरीय बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन शनिवार को प्रदेश के वेटलैंड तालाब बड़वाई व किशन करेरी पर उदयपुर बर्ड फेस्टिवल से पक्षी प्रेमी व पक्षीविद् परिंदों की अठखेलियों को निहारने पहुंचे। पक्षी प्रेमियों का यह दल प्रात: करीब नौ बजे पक्षीविद् विनय दवे के नेतृत्व में बड़वाई तालाब पहुंचा, जहां पक्षी प्रेमियों ने करीब तीन घंटे तक बर्ड वाचिंग की। यहां अलग-अलग प्रजाति के देसी व परदेशी परिंदों की अठखेलियों को देखकर पक्षी प्रेमी काफी आनंदित हुए। उन्होंने इन परिंदों की अठखेलियों को अपने कैमरे में कैद किया और कई ऐसी प्रजातियों को अपने कैमरे में कैद किया जो अमूमन बहुत कम देखी जाती है।

पक्षी प्रेमियों ने परिंदों की अठखेलियों को अपने कैमरे में कैद किया।

पक्षी प्रेमियों ने यहां की स्थानीय पक्षी मित्रों की टीम से मुलाकात करते हुए उनके द्वारा इस पक्षी विहार तालाब पर किए जा रहे प्राकृतिक सौंदर्यीकरण की प्रशंसा करते हुए उनकी कई प्रशासनिक समस्याओं को भी सुना। पूर्व सीसीएफ राहुल भटनागर ने गत लंबे समय से इस तालाब में पानी नहीं आने की समस्या को गंभीरता से लिया एवं कहा कि सरकार जल्द इस तालाब में पानी की आवक के लिए नहर का अतिशीघ्र निर्माण करें जिससे इस तालाब का परिंदों के संरक्षण का पुराना स्वरूप बना रहे।

निकट बड़वाई तालाब पर परिंदों की कई प्रजातियों को देखकर पक्षीविद्ों ने कहा कि बड़वाई तालाब क्षेत्र का सबसे सुरक्षित तालाब है, जिस पर पक्षी अपने आपको काफी महफूज समझ रहे हैं। पक्षी प्रेमियों का यह दल बड़वाई के बाद किशन करेती तालाब पहुंचा जहां भी देसी वह विदेशी परिंदों को निहारते हुए यहां ग्रीन अर्थ नेचुरल समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। पक्षी मित्र यहां से मेनार पक्षी विहार के लिए रवाना हुए। ग्रेट वाइट पेलिकन, ग्रे लेग गीज, यूरेशियन विजन, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कॉमन पोचार्ड, कॉमन टील, गेडवाल, गॉडविट, टफ्टेड डक, कोम्ब डक, नॉर्दर्न शोवलर, नॉर्दर्न पिनटेल, रफ, पेंटेड स्टार्क, सारस क्रेन सहित कई प्रजातियां इन दोनों ही तालाबों पर देखी गई। इनमें सबसे अधिक संख्या बड़वाई पक्षी विहार पर बार हेडेड गीज, नॉर्दर्न पिनटेल, नॉर्दर्न शोवलर, यूरेशियन विजन व ब्लैक टेल्ड गॉडविट की देखी गई। इस दौरान पक्षीविद् पूर्व डायरेक्टर बीएनएचएस डॉक्टर अरशद रहमानी, रिटायर्ड सीसीएफ राहुल भटनागर, पूर्व एसीएफ डॉ. सतीश शर्मा, पक्षीविद् रजत भार्गव, रिटायर्ड डीएफओ सोहेल मजबूर, प्रताप सिंह चुंडावत सहित कई पक्षीविद् व पक्षी प्रेमी पहुंचे।

- अलग-अलग प्रजाति के देसी व परदेशी परिंदों की अठखेलियों को देखकर पक्षी प्रेमी आनंदित हुए

वहीं संभाग स्तरीय बर्ड फेस्टिवल एवं उसके बाद चित्तौड़गढ़ जिले के सरकार द्वारा घोषित वेटलैंड तालाबों पर प्रदेशभर से बर्ड वाचिंग के लिए आए पक्षीविद्ों व पक्षी प्रेमियों की अगवानी सिर्फ स्थानीय पक्षी मित्रों को करनी पड़ी, चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय से विभागीय अधिकारी कर्मचारी नदारद रहे जिसको लेकर स्थानीय बड़वाई व किशन करेरी के पक्षी मित्रों ने आक्रोश व्यक्त किया। सरकार एक और इन तालाबों को वेटलैंड तालाब घोषित कर चुकी है , वहीं विभागीय अधिकारी इन तालाबों के सुद लेने तक नहीं पहुंचते हैं। इन तालाबों पर होने वाले अवैध खनन, अतिक्रमण जैसी गंभीर समस्याओं से केवल स्थानीय लोगों को उलझना पड़ता है जबकि यह जिम्मेदारी विभाग की है जिसे विभाग भुलकर बैठा है।